जेपीसी बुलेटिन लौह एवं इस्पात पर
नवम्बर, 2021

तकनोलॉजी में इस्पात

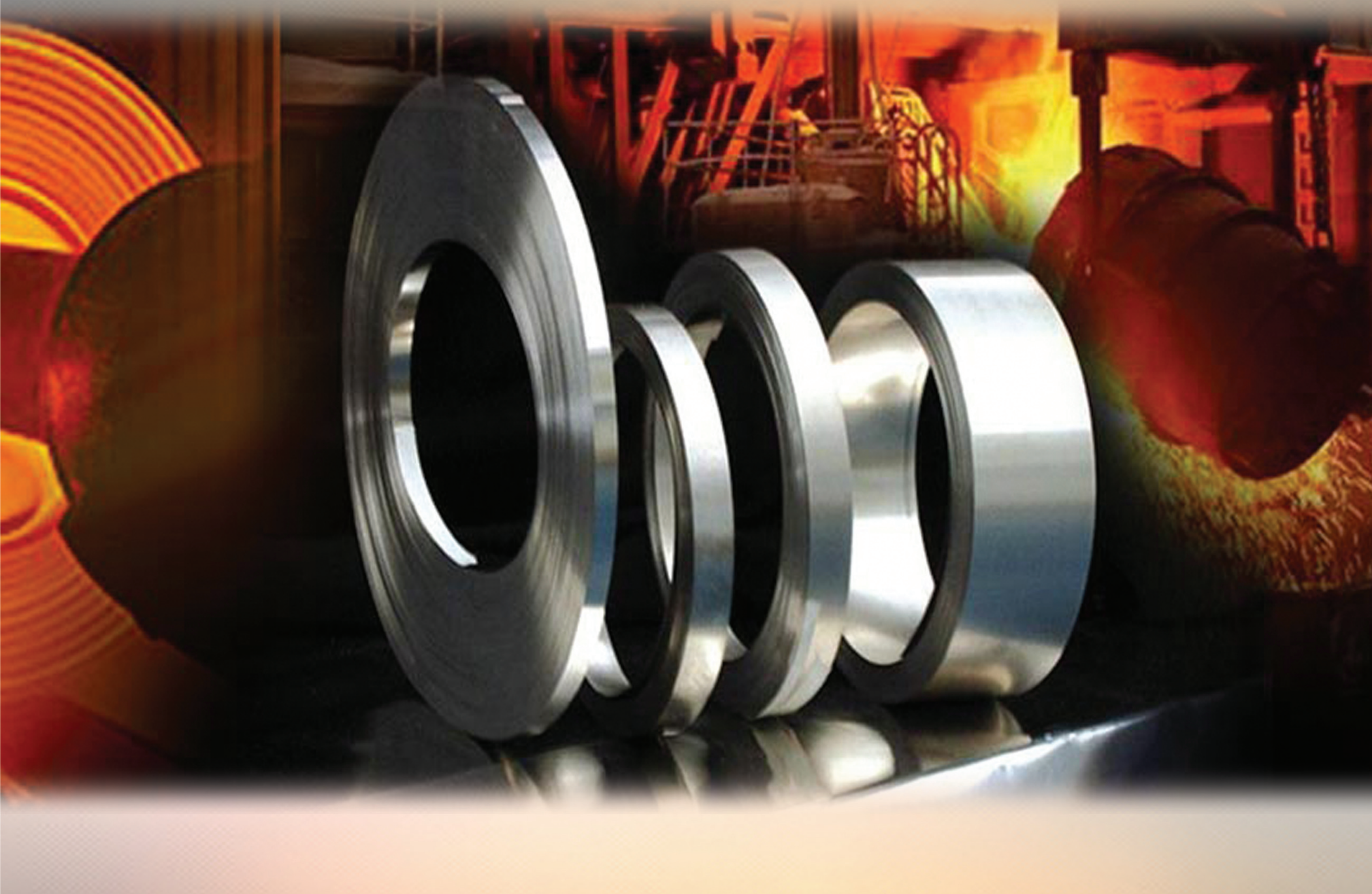

ज्वाइन्ट प्लान्ट कमिटी
JOINT PLANT COMMITTEE
(Constituted by Government of India)
AN ISO 9001 : 2015 ORGANISATION

सम्पादकीय मण्डल

सुश्री रसिका चौबे, अपर सचिव, भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय, अध्यक्ष, जेपीसी
श्री रंजन बन्द्योपाध्याय, अधिशासी सचिव, जेपीसी
श्री सौमेन चटर्जी, ए.जी.एम (एफएण्डए) प्रभारी, जेपीसी
श्री सायन सेन, ए.जी.एम (डीबी एण्ड एएस) प्रभारी एवं प्रभारी (एचआर एण्डए) जेपीसी
सुश्री महुआ मैत्र, वरिष्ठ प्रबंधक (डीबी एण्ड एएस), एवं (एचआर एण्डए) जेपीसी

सम्पादकीय

वर्ष 2030-31 तक देश में लगभग 250 मिट कुल तैयार इस्पात की खपत के प्रस्तावित लक्ष्य तक पहुँचने के लक्ष्य ने देश में इस्पात उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सरकार को बार-बार प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया है तथा साथ ही साथ इस्पात के अधिक प्रयोग को बढ़ावा देकर देश में इस्पात की माँग में वृद्धि की है । हाल ही में घोषित हुई गति शक्ति मास्टर योजना पर रु 100 लाख करोड़ के निवेश की योजना अगले पाँच वर्षों में संरचना विकास के ऊपर करने की है। इससे देश में इस्पात का प्रयोग निश्चित रूप से बढ़ेगा ।

चालू वित्त वर्ष के प्रथम आठ महीनों के दौरान इस्पात क्षेत्र का उत्पादन कार्यनिष्पादन बेहद उत्साहवर्द्धक रहा है, जिसमें वित्त वर्ष 22 की अप्रैल-नवम्बर अवधि के दौरान कच्चे इस्पात का संचयी उत्पादन 76.44 मिट तथा तैयार इस्पात का 72.07 मिट रहा। यह विगत तीन वर्षों में दर्ज रिकार्ड से निःसंदेह अधिक है। यह उन्नत कार्यनिष्पादन कोविड-19 की दूसरी लहर तथा उससे जुड़े स्थानीय लॉकडाउनों के प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद हासिल हुआ है । चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-नवम्बर के दौरान स्टील की संचयी खपत 66.37 मिट भी वित्त वर्ष 19 की उसी अवधि की अपेक्षा अधिक रही है, परन्तु वित्त वर्ष 20 की तुलना में नीचे थी । नवम्बर 2021 में तैयार स्टील का निर्यात 7.22 एलएमटी पिछले वर्ष उसी अवधि में दर्ज से 20.7% बढ़ा है । माह के दौरान, भारत तैयार इस्पात का शुद्ध निर्यातक था, जिसने 4.10 LMT का शुद्ध ट्रेड सरप्लस दर्ज किया है तथा अप्रैल-नवम्बर 2021 के दौरान भी 64.68 LMT शुद्ध ट्रेड सरप्लस दर्ज किया गया ।

माह के दौरान इस्पात उद्योग के बड़े प्लेयरों ने सकारात्मक कार्यनिष्पादन दर्ज किया है । चालू वित्त वर्ष के दौरान, सेल ने सकारात्मक कार्यनिष्पादन दर्ज किया है । चालू वित्त वर्ष के दौरान, सेल ने कार्यनिष्पादन में महत्वपूर्ण सुधार दर्शाया है । अप्रैल-नवम्बर 2021 में कच्चे इस्पात का उत्पादन अप्रैल-नवम्बर 20 के ऊपर 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाया है, जो 11.249 मिट है । अधिक उत्पादन के लिए, सेल ने चालू वित्त वर्ष में आयरन ओर की माइनिंग को बढ़ाया है । एमऑयल ने भी पिछले महीने अक्टूबर 2021 में उत्पादित स्तर से 6.0% अधिक मैगनीज ओर का उत्पादन किया है। टाटा स्टील ने एकीकृत शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 661.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सितम्बर में समाप्त तिमाही के लिए रु 11,918.11 करोड़ दर्ज किया था, जोकि विश्लेषकों की प्रत्याशा से ऊपर बढ़ा है । टाटा स्टील का नाम भी 2021 में भारत में महिलाओं के लिए 100 सर्वोत्तम कंपनियों के बीच मदर एण्ड अवतार द्वारा आया है । स्टील उत्पादक जेएसपीएल ने वित्त वर्ष 22 के अंत तक रु 50,000 करोड़ के बिक्री राजस्व की योजना बनाई है, 8 मिट उत्पादन के साथ । कंपनी ने भी वित्त वर्ष 21 में लगभग रु 22,146 करोड़ के सर्वोच्च से शुद्ध ऋण को रु 8,000 करोड़ तक कम करने की योजना बनाई है। जेएसपीएल अपनी अंगूल स्टील क्षमता को वर्ष 2023 तक 12 मिट तक बढ़ाने हेतु रु 18,000 करोड़ का निवेश करेगा ।

यद्यपि माँग का परिदृश्य वर्तमान में निरुत्साही दिखाई पड़ता है तथा निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचने के लिए स्टील उद्योग को मीलों चलना पड़ेगा, देश की स्टील कंपनियाँ सभी तरह की कठिनाइयों के बावजूद सही मार्ग पर कदम बढ़ा रही हैं, जोकि अपने मार्ग से भटक गई थीं । सरकार भी माँग को बढ़ाने के लिए अपने बेहतर प्रयासों के साथ अग्रसर है । ऐसी आशा है कि ये प्रयास एक साथ मिलकर स्टील उद्योग को मजबूत बनाने में निश्चित रूप से मदद करेंगे ।

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ
सम्पादकीय	1
रुख प्रतिवेदन	3
राष्ट्रीय समाचार	13
अन्तर्राष्ट्रीय समाचार	18
भावी गतिविधियाँ	24
सारांश	25

रुख प्रतिवेदन - नवम्बर 2021

और गिरावट जारी है

वर्ल्डस्टील के आँकड़े दर्शाते हैं कि मासिक स्तर पर, यद्यपि वैश्विक कच्चे इस्पात का उत्पादन अक्टूबर 2021 में मामूली (0.4% तक) बढ़ा है, जो कठोर उत्पादन अंकुश के द्वारा प्रभावित हुआ है, चायनीज उत्पादन अक्टूबर 2021 में सितम्बर 2021 के ऊपर 3% गिरा है । साल-दर-साल आधार पर, वैश्विक उत्पादन अक्टूबर 2021 में 10.6% तक घटा है, चायनीज उत्पादन उसी अवधि में 23 प्रतिशत की गिरावट तक नीचे आया है ।

वैश्विक अर्थव्यवस्था - एक नजर में

- मार्केट इकोनॉमिक्स रिपोर्ट बिजनेश कंडीशन और मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स में नवम्बर 2021 में लगातार सुधार दर्शाती है, जे पी मोरगन वैश्विक उत्पादन पीएमआई माह के दौरान 54.2 के साथ विगत तीन महीनों में हासिल हुई रीडिंग से मामूली परिवर्तन दर्शाता है ।
- रिपोर्ट दर्शाती है कि 30 देशों में से - जिसके नवीनतम आँकड़े उपलब्ध हैं, सिर्फ चार (चीन, ब्राजील, मेक्सिको एवं मैनमार) ने संकुचन दर्ज किया है । यहाँ अवस्थित पाँच में से चार सर्वोत्तम स्थान प्राप्त देश (इटली, नीदरलैंड, आयरलैंड और ग्रीस) में यूरो एरिया चमकदार वृद्धि के स्पॉट लगातार बने हुए हैं। यूएस कुल मिलाकर छठें स्थान पर बना हुआ है ।
- मार्किट रिपोर्ट के अनुसार, नए ऑर्डरों के वाल्युम में नवम्बर 2021 में लगातार वृद्धि की रिपोर्ट है, जबकि नए निर्यात बिजनेश में वृद्धि की दर मंद बनी हुई है, यद्यपि अक्टूबर की अपेक्षा तेज गति पर । मूल्य स्फीति दबाव माह के दौरान लगातार दिखाई पड़ रहा है, जबकि आपूर्तिकर्ता का डिलिवरी समय सबसे अधिक विस्तारों में से एक तक रिकार्ड में बढ़ा है,क्योंकि वे 2021 की इस तारीख तक की गई हैं ।

प्रमुख आर्थिक आँकड़े

देश	जीडीपी 2020 %परिवर्तन*	उत्पादन पीएमआई	
		अक्टूबर 2021	नवम्बर 2021
भारत	-7.0	55.9	57.6
चीन	2.3	50.6	49.9
जापान	-4.8	53.2	54.5
यूएसए	-3.5	58.4	58.3
ईयू 28	-6.6	58.3	58.4
ब्राजील	-4.1	51.7	49.8
रूस	-3.1	51.6	51.7
दक्षिण कोरिया	-1.0	50.2	50.9
जर्मनी	-4.9	57.8	57.4
टर्की	1.8	51.2	52.0
इटली	-8.9	61.1	61.1

स्रोतः जीडीपीः सरकारी रिलीज, पीएमआई-मार्किट इकोनॉमिक्स *प्रस्तावित

वैश्विक कच्चे इस्पात का उत्पादन

1 बिलियन टन का निशान पार कर जाने के बाद भी विश्व के कच्चे इस्पात का उत्पादन जनवरी- अक्टूबर 2021 में 1607.13 मिट रहा, जो पिछले वर्ष की उसी अवधि के ऊपर 5.9% अधिक है, विश्व इस्पात संगठन द्वारा जारी अस्थायी आँकड़ों के अनुसार । जबकि एक संचयी स्तर पर वॉल्यूम में वृद्धि कोविड-19 के प्रभाव को घटता हुआ दर्शाती है, फिर भी, मासिक स्तर पर विश्व का उत्पादन अक्टूबर 2021 में 0.4% घटा है- सितम्बर 2021 के ऊपर । इसे चीन में कठोर उत्पादन अंकुश के द्वारा नीचे लाया गया, जबकि उत्पादन अक्टूबर 2021 में 3 प्रतिशत सितम्बर 2021 के ऊपर गिरा है । साल-दर-साल के आधार पर भी उत्पादन में 10.6% की गिरावट अक्टूबर 2021 में आई है । उसी अवधि में चायनीज उत्पादन में 23% की गिरावट के द्वारा नीचे लाई गई है ।

विश्व का कच्चे इस्पात का उत्पादन जनवरी- अक्टूबर 2021*

स्थान	देश	उत्पादन (मिट)	%परिवर्तन
1	चीन	877.05	-0.7
2	**भारत**	96.93	20.6
3	जापान	80.36	17.5
4	यूनाइटेड स्टेट्स	71.72	19.6
5	रूस	62.50	5.7
6	दक्षिण कोरिया	58.67	5.9
7	जर्मनी	33.56	15.1
8	टर्की	33.33	14.2
9	ब्राजील	30.32	19.1
10	ईरान	22.37	-5.7
	सर्वोच्च 10	**1366.81**	**4.0**
	विश्व	**1607.13**	**5.9**

स्रोत : वर्ल्डस्टील, जेपीसी,*प्रस्तावित

- चीन वैश्विक कच्चे इस्पात के उत्पादन में अग्रणी बना हुआ है, जिसमें जनवरी- अक्टूबर 2021 के दौरान उत्पादन 877.05 मिट रहा, पिछले वर्ष उसी अवधि के ऊपर 0.7% अधिक । यह देश एशिया का 76% और विश्व का 55% उत्पादन इस अवधि के दौरान किया है।
- कुल विश्व के उत्पादन में 6% अंश के साथ, जनवरी- अक्टूबर 2021में साल-दर-साल 20.6% वृद्धि के साथ, भारत (96.93 मिट) इस अवधि के दौरान दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है ।
- जापानीज कच्चे इस्पात का उत्पादन (80.36 मिट) साल-दर-साल 17.5% वृद्धि दर्ज की है और यह देश इस अवधि के दौरान दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे इस्पात का उत्पादक बन गया है ।
- यूएसए चौथे सबसे बड़े उत्पादक के स्थान पर बना हुआ – 71.72 मिट उत्पादन के साथ, जिससे साल-दर-साल 19.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है, जबकि रूस (62.5 मिट साल-दर-साल 5.7% वृद्धि के साथ) इस अवधि के दौरान पाँचवाँ सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है ।

- ईयू (27) देशों में कच्चे इस्पात का उत्पादन इस अवधि के दौरान 128 मिट था, साल-दर-साल 18% वृद्धि।
- 1160.68 मिट पर एशियाई कच्चे इस्पात का उत्पादन इस अवधि के दौरान 3 प्रतिशत साल-दर-साल वृद्धि थी तथा इस अवधि के दौरान, यह क्षेत्र विश्व के कच्चे इस्पात के उत्पादन का 72% था।
- सर्वोच्च 10 देश कुल विश्व के कच्चे इस्पात का उत्पादन जनवरी-अक्टूबर 2021 के दौरान 85% तथा साल-दर'साल इस अवधि के दौरान 6.1% की वृद्धि संचयी उत्पादन में दिखाई पड़ी।

दुनिया भर के समाचार

अमेरिका

- यूएस एवं ईयू एक करार पर पहुँचे हैं, जिसमें यूएस के सेक्शन 232 टैरिफ स्टील एवं अल्यूमीनियम पर ईयू से मेटल आयात पर टैरिफ-दर कोटा को बदलने के लिए राजी हैं, ज्वाइण्ट फैक्ट शीट 31 अक्टूबर 2021 के अनुसार ।
- यूएस कामर्स सेक्रेटरी गीना रायमोण्डो एवं यूएस ट्रेड प्रतिनिधि कैटरीन टाई ने वैश्विक स्टील एवं अल्यूमीनियम की अधिक क्षमता से छुटकारा दिलाने तथा दो मेटल उद्योगों की दीर्घकालीन जीवनक्षम को सुनिश्चित करने के लिए असरदार कदम उठाने के लिए राजी हो गए हैं । यह परामर्श यूएस एवं जापान के बीच घरेलू एलायंस को मजबूत करने हेतु समाधान निकालेगा ।
- ब्राजील ने अस्थायी तौर पर कई प्रकार के स्टील उत्पादों के ऊपर आयात टैरिफ घटा दिया है, जिसका उद्देश्य है कोविड-19 के प्रभाव को आसान बनाना। यह कदम 31 दिसम्बर 2022 तक वैध है तथा कच्चे माल को कवर करता है- जैसे कि पिग आयरन, फेरो एलॉयज, अर्द्ध-तैयार इंगाटॅ, बिलेट, स्लैब तथा फ्लैट एवं लम्बे इस्पात उत्पाद- ट्यूब एवं पाइप सहित । स्पेशिलिटी स्टील का भी हवाला दिया गया था । कार्बन हॉट एवं कोल्ड-रोल्ड क्वायल, रीबार तथा वायर रॉड अपने 12% आयात टैरिफ मे 10.8% तक कटौती कर दी है।
- डीआरआई की करीब 390 एमटीपीए क्षमता तथा अतिरिक्त स्टील की ईएएफ रूट से 278 एमटीपीए की क्षमता की जरूरत वैश्विक स्तर पर 2030 तक होगी, ताकि पैरिस जलवायु करार में 1.5 डिग्री सेल्सिअस मानक के साथ वक्र पथ के अनुकूल वैश्विक स्टील सेक्टर को रखा जा सके, एक अध्ययन के अनुसार जिसे अगोरा इंडस्ट्री थिंक टैंक द्वारा 3 नवम्बर 2021 को प्रस्तुत किया गया ।

एशिया

- चायनीज स्टील उत्पादक हेनान याक्सिन स्टील समूह कं0 ने दो क्वांटम इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेशों और अपने फुजियान डिंगशेंग प्लांट में एक अरवेदी एण्डलेस स्ट्रिप उत्पादन लाईन में उत्पादन प्रारंभ कर दिया है ।
- उत्तरी चीन के टेंगशान शहर के क्षेत्राधीन स्टील मिलें अपनी सिण्टरिंग एवं कोकिंग फेसिलिटियों पर आपात्कालीन प्रतिबंधों का अन्य राउण्ड 15 नवम्बर 2021 से लागू कर दिया है- आने वाले दिनों में खराब वायु क्वालिटी भविष्यवाणी के कारण । यद्यपि ये कदम कठोर प्रतीत नहीं होते, 28 अक्टूबर से 7 नवम्बर 2021 तक के पिछले राउण्ड की तरह ।

- जापान के निप्पन स्टील ने अपनी योजनाओं को दोहराया है, अपने एएम/एनएस इंडिया संयुक्त उद्यम की कच्चे इस्पात उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने तथा साथ ही साथ एशिया में एक एकीकृत स्टील मिल की स्थापना करने के लिए ।
- दक्षिण कोरिया की डांगकुक स्टील मिल ने उद्देश्य बनाया है अपने कोल्ड रोल्ड स्टील का उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़ाकर 1 एमटीपीए 2030 तक करने के लिए। वर्तमान में, डांगकुक स्टील मिल बुसान में नौ उत्पादन लाइन को संचालित करता है, समग्र उत्पादन 850,000 टीपीए प्री-कोटेड स्टील प्लेट्स के साथ, जिसका प्रयोग मुख्य रूप से उपभोक्ता उत्पादों और निर्माण मटेरियलों में किया जाता है ।

रूस, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया

- एनएलएमके, एनएलएमके लिपेटस्क में रीहीटिंग फर्नेश को अपग्रेड करके अपना एचआर शीट का उत्पादन बढ़ायेगा । यह अपग्रेड एनएलएमके लिपेटस्क में हॉट रोल्ड स्टील का उत्पादन 7 प्रतिशत तक बढ़ायेगा - 430,000 टीपीए - साथ ही साथ उत्पाद की क्वालिटी में सुधार, ऊर्जा खपत को आधा तथा सीओ2 उत्सर्जन को कम करके ।
- एवराज ने अपने पोर्टफोलिओ में तैयार इस्पात उत्पादों का शेयर 2026 तक कुल बिक्री की मात्रा के 77 प्रतिशत तक बढ़ायेगा, वर्तमान में 50 प्रतिशत से ऊपर ।
- टर्की के ईदिज डेमिर सेलिक ने घोषित किया है कि यह नई लाईन के साथ गैल्वनाइजिंग क्षमता को 900,000 टीपीए तक पहुँचाने का लक्ष्य बनाया है, जिसे वर्ष 2022 की पहली तिमाही में शुरू किया जाएगा ।
- मिस्त्र के व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय ने बिलेट और रीबारों के आयात पर सेफगार्ड ड्यूटी को समाप्त करने का निश्चय किया हे ।

ईयू एवं अन्य यूरोप

- यूरोफर ने टर्की एवं रूस से हॉट डिप गैल्वनाइज्ड स्टील क्वायल के आयात के खिलाफ एक पंजीकरण अनुरोध फाईल किया है, जो पाँच माह पूर्व यूरोपियन कमीशन द्वारा खोले गये डंपिंग केस में किसी भी ड्यूटी को पूर्व-प्रभावी कर सकता है ।
- यूके स्टील यूएस सेक्शन 232 टैरिफ उपायों से छूट की माँग यूके सरकार से कर रही है, ईयू से यूएस स्टील के आयात पर ट्रंप के समय के टैरिफ को समाप्त करने के लिए ईयू और यूएस के बीच एक हालिया करार के बाद। यह करार, जो 30 अक्टूबर 2021 को हुआ है, गैर-ईयू सदस्य के निर्यात को कवर नहीं करता है ।
- यूके पार्लियामेण्ट की बिजनेश, एनर्जी एवं औद्योगिक स्ट्रेटेजी (बीईआईएस) समिति को उद्योग की प्रतिद्वंद्विता की लम्बे समय से चली आ रही चुनौतियों से छुटकारा हेतु स्टील सेक्टर का डील स्थापित करने के लिए सरकार ने बुलाया है, प्रमुख सार्वजनिक परियोजनाओं के लिए स्टील की आपूर्ति हेतु बाधाओं और उच्च एनर्जी की कीमतों सहित । यह डील उद्योगों को गैर-कार्बनीकरण एवं जॉबों के संरक्षण हेतु एक स्ट्रेजिटिक योजना का अंश बनाया जाना चाहिए ।
- यूके के मटेरियल प्रोसेसिंग इंस्टीच्यूट (एमपीआई) ने यूके में हाइड्रोजन आधारित स्टील उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए यूके सरकार को एक सिफारिश का समर्थन किया है, यूरोप एवं कनाड़ा में निम्न उत्सर्जन तकनोलॉजी को अपनाने के कदम के बाद। टीजसाइड आधारित एमपीआई के चीफ

एक्जीक्युटिव, क्रिस मैकडोनाल्ड तथा यूके के बिजनेश, ऊर्जा एवं औद्योगिक स्ट्रेटेजी (बीईआईएस) सेलेक्ट कमिटी ने यूके सरकार को सूचित किया है - यूके में हाइड्रोजन-आधारित स्टील उत्पादन के पायलट को कमिट करने के लिए, जो इसके औद्योगिक गैर-कार्बोनिकरण रणनीति का अंश है - एमपीआई बयान के अनुसार ।

- आर्सेलरमित्तल नवम्बर के आखीर में अपने सेसटाओ, स्पेन ईएएफ प्लांट में उत्पादन को रोक देगा, नियोजित इंजीनियरिंग कार्य को आगे लाने के लिए- जो साइट की क्षमता को 1.6 एमटीपीए तक बढ़ायेगा । उत्पादन को 2022 की शुरुआत तक रोका जाएगा, कार्य को लगभग एक महीना आगे ले जाया जा रहा है।
- ईस्पात निर्माता डिलिंजर के बोर्ड ने सुपर हैवी प्लेट के अपने उत्पादन को बढ़ाने के लिए यूरो 56.5 मिलियन ($65.6 मिलियन) निवेश करने के इसके प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है, साथ ही साथ अपने स्टील विण्ड नॉर्दनहम सहायक कंपनी में विण्ड टावर फाइण्डेशन का उत्पादन, जिसे मोनोपाइल्स के रूप में जाना जाता है ।
- लिबर्टी स्टील यूके, मेटल एवं एनर्जी समूह जीएफजी एलायंस के अंश, ने अपने कोर ग्रीनस्टील रोदर्नहम इलेक्ट्रिक ऑर्क फर्नेश में यथा नियोजित उत्पादन पुनः प्रारंभ कर दिया है, उच्च ऊर्जा लागत को कम करने के लिए तथा कार्यकुशलता को अधिकतम करने के लिए ऑपरेशन रात को चलाया जा रहा है ।

[स्रोत श्रेय : मेटल बुलेटिन, प्लैट्स, प्रमुख समाचार पत्र (इंडिया न्युज)]

विश्व इस्पात का मूल्य रुख

2020 के आखीर में रिकार्ड तोड़ने वाली ऊँचाई पर पहुँचने के बाद, वैश्विक स्टील की कीमतें लगातार सामान्यता की वापसी का संकेत दर्शाती हैं- अधिकांश मार्केटों के साथ, जो निम्न स्तर पर या तो नरम हो रहा है अथवा स्थिर है। कहने की आवश्यकता नहीं कि वे वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान ठोस जमीन पर बनी हुई हैं, तथा जैसा कि पहले देखा गया है, जो बढ़ती हुई माँग, कठोर आपूर्ति एवं वोलेटाईल कच्चे माल के बाजार से प्रभावित है। संभावित कंसर्न हैं चीन में स्टील मार्केट का विकास, जहाँ उत्पादन कम हुआ है- चालू और भावी दोंनों - जिसके वैश्विक माँग-आपूर्ति को आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण स्तर तक प्रभावित करने की उम्मीद है । यदि ऐसा होता है, तब यह वैश्विक व्यापार प्रवाह तथा वैश्विक स्टील मूल्य रुख के पहले सिर्फ समय सापेक्ष होगा, स्टैंड समान डिग्री तक प्रभावित होगा ।

लम्बे उत्पाद

- नवम्बर 2021 में रीबार की कीमतें यूएसए में मंद बनी हुई थी तथा और आगे बढ़ने के लिए संकेत की प्रतीक्षा कर रही थीं । फास्टमार्केट मेटल बुलेटिन के अनुसार लेनदेन लगभग $1010/t माह के आखीर में कोट किया गया था ।
- नवम्बर 2021 में यूरोपियन रीबार की कीमतें स्थिर बनी हुई थीं क्योंकि बाजार के निगरानी रखने वाले आने वाले दिनों में और भी वृद्धि की उम्मीद कर रहे थे । फास्टमार्केट मेटल बुलेटिन के अनुसार लेनदेन लगभग €770-790/t ($874-897) दक्षिणी यूरोप में और लगभग €820-840/t ($931-954) उत्तरी यूरोप में कोट किया गया था
- चायनीज रीबार की कीमतों ने नवम्बर 2021 में कुछ लाभ देखा था, भावी कीमतों एवं माँग की

बदौलत । फास्टमार्केट मेटल बुलेटिन के अनुसार लेनदेन लगभग 4,730-4,770 येन प्रति टन ($743-749) शंघाई में कोट किया गया था।

- रूस में घरेलू रीबार की कीमतें नवम्बर 2021 के आखीर में गिरी हैं, निर्माण क्षेत्र में कीमतों की सरकारी निगरानी के साथ। स्टील रीइंफोर्सिंग बार (रीबार) घरेलू का फास्टमार्केट आकलन सीपीटी मास्को, रूस था लगभग 65,000-71,500 रूबल/टन ($870-955) माह के आखीर में।

फ्लैट उत्पाद

- यूएसए में एचआरसी की कीमतें नवम्बर 2021 में रिकार्ड मुनाफा करना जारी रखा । फास्टमार्केट मेटल बुलेटिन के अनुसार लेनदेन लगभग $1,795/s.t माह के आखीर में कोट किया गया था।
- नवम्बर 2021 ने यूरोपियन एचआरसी बाजार में सीमित कारोबार गतिविधि देखी थी । फास्ट मार्केट मेटल बुलेटिन के अनुसार लेनदेन लगभग €946.25/t ($1,071) उत्तरी यूरोप में और लगभग €875/t दक्षिणी यूरोप में कोट किया गया था ।
- चीन में एचआरसी कीमतों में नवम्बर के अंतिम दिनों में मामूली मुनाफा सूचित किया गया था, कीमतों में और वृद्धि के साथ । फास्टमार्केट मेटल बुलेटिन के अनुसार लेनदेन लगभग 4,730-4,800 येन/टन ($743-754) शंघाई में कोट किया गया था ।
- माँग में नरमाई तथा कमजोर लेनदेन ने नवम्बर 2021 में रूस के बाजार में फ्लैट दिखाई पड़ा था। स्टील हॉट रोल्ड शीट के लिए फास्टमार्केट का मूल्य आकलन, घरेलू, सीपीटी मास्को, रूस का माह के आखीर में 76,000-80,000 रूबल/टन ($1,020-1,074) रहा ।

[स्रोत श्रेय : फास्टमार्केट मेटल बुलेटिन]

विशेष उल्लेखनीय बातें

भारत 2021 में वैश्विक डीआरआई उत्पादन में अभी तक प्रमुख रहा

अस्थायी वर्ल्डस्टील रिपोर्ट दर्शाती है कि वैश्विक डीआरआई उत्पादन, जनवरी- अक्टूबर 2021 में 86.93 मिट रहा है, जोकि 2020 के ऊपर 12.7 प्रतिशत ऊपर है। भारत द्वारा संचालित (32.21 मिट, 37% शेयर, 18.7% ऊपर) किया गया था, नम्बर एक स्पॉट पर, जबकि ईरान के लिए

विश्व डीआरआई का उत्पादन

स्थान	देश	जनवरी- अक्टूबर 2021 (मिट)	जनवरी- अक्टूबर 2020 (मिट)	% परिवर्तन
1	**भारत**	32.21	27.13	18.7
2	ईरान	27.12	25.41	6.7
3	रूस	6.39	6.43	-0.7
4	मेक्सिको	4.85	4.27	13.6
5	सउदी अरबिया	4.72	4.45	6.1
	सर्वोच्च 5	**75.29**	**67.70**	**11.2**
	विश्व	**86.93**	**77.13**	**12.7**

स्रोत : वर्ल्डस्टील

उत्पादन 27.12 मिट 31% शेयर) रहा है जोकि 2020 के ऊपर 6.7 प्रतिशत ऊपर है । दो देशों ने एक साथ मिलकर इस अवधि के दौरान वैश्विक डीआरआई उत्पादन का 68 प्रतिशत किया । सर्वोच्च पॉच देशों ने इस अवधि के दौरान विश्व के डीआरआई उत्पादन का 87 प्रतिशत किया और देखा कि उनका संचयी उत्पादन पिछले वर्ष की उसी अवधि के ऊपर 11.2% बढ़ा है ।

भारतीय इस्पात बाजार का परिदर्शन

भारतीय इस्पात उद्योग के कार्यनिष्पादन की रिपोर्ट की स्थिति अप्रैल- अक्टूबर 2021 के दौरान निम्नलिखित है जो कि ज्वाइंट प्लाण्ट कमिटी (जेपीसी) द्वारा जारी अपने एमआईएस रिपोर्ट अप्रैल- अक्टूबर 2021 के अस्थायी आँकड़ों पर आधारित है। यह नोट किया जाना चाहिए कि कुल तैयार स्टील में शामिल है नॉन-एलॉय और एलॉय दोनों (स्टेनलेस स्टील सहित) तथा समस्त तुलना पिछले वर्ष की उसी अवधि के साथ की गई है :

आइटम	भारतीय इस्पात : कार्यनिष्पादन की खास बातें		
	अप्रैल- अक्टूबर 2021 (मिट) (प्रस्ता)	अप्रैल- अक्टूबर 2020 (मिट)	% परिवर्तन
कच्चे इस्पात का उत्पादन	66.805	53.522	24.8
हॉट मेटल का उत्पादन	44.808	36.478	22.8
पिग आयरन का उत्पादन	3.444	2.565	34.3
स्पंज आयरन का उत्पादन	22.361	18.064	23.8
	कुल तैयार इस्पात (एलॉय + नॉन-एलॉय)		
उत्पादन	62.877	48.405	29.9
आयात	2.751	2.347	17.2
निर्यात	8.809	7.099	24.1
खपत	57.899	45.933	26.1

*स्रोत : जेपीसी, *प्रस्तावित, मिट-मिलियन टन*

समग्र उत्पादन :

- ***कच्चे इस्पात*** का उत्पादन था 66.805 मिलियन टन, 24.8% ऊपर ।
- ***हॉट मेटल*** का उत्पादन था 44.808 मिट, 22.8% ऊपर ।
- ***पिग आयरन*** का उत्पादन था 3.444 मिट 34.3% ऊपर !
- ***स्पंज आयरन*** का उत्पादन था 22.361 मिट, 23.8% ऊपर कोयला आधारित मार्ग द्वारा प्रमुखता (77% शेयर)!
- ***कुल तैयार इस्पात*** का उत्पादन 62.877 मिट, 29.9% ऊपर ।

अन्य उत्पादकों का योगदान :

- ***कच्चा इस्पात :*** सेल, आरआईएनएल, टीएसएल, ईएसएसआर, जेएसडब्ल्यूएल तथा जेएसपीएल ने एकसाथ मिलकर 41.972 मिट (63% शेयर) का उत्पादन इस अवधि के दौरान किया, 22.5% ऊपर है । शेष (24.833 मिट) अन्य उत्पादकों से आया, जो 28.9% ऊपर है ।
- ***हॉट मेटल :*** सेल, आरआईएनएल, टीएसएल, ईएसएसआर, जेएसडब्ल्यूएल तथा जेएसपीएल ने एकसाथ मिलकर 40.037 मिट (89% शेयर) का उत्पादन किया जो 21.1% ऊपर है। शेष (4.772 मिट) अन्य उत्पादकों से आया, 39.4% ऊपर था ।

- ***पिग आयरन :*** सेल, आरआईएनएल, टीएसएल, ईएसएसआर, जेएसडब्ल्यूएल तथा जेएसपीएल ने एकसाथ मिलकर (0.983 मिट 29% शेयर) का उत्पादन किया 28.4% अधिक है। शेष (2.461मिट) अन्य उत्पादकों से आया, जो 36.8% ऊपर था ।
- ***कुल तैयार इस्पात :*** सेल, आरआईएनएल, टीएसएल, ईएसएसआर, जेएसडब्ल्यूएल तथा जेएसपीएल ने एकसाथ मिलकर 36.656 मिट 58% शेयर) का उत्पादन किया जो 30.0% ऊपर है । शेष (26.221 मिट) अन्य उत्पादकों से आया, जो 29.7% ऊपर था ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) का योगदान

- ***कच्चा इस्पात :*** 81% शेयर के साथ निजी क्षेत्र (53.922 मिट, 22.6% ऊपर) कच्चे इस्पात की प्रमुखता थी, पीएसयू के योगदान 19% की तुलना में ।
- ***हॉट मेटल :*** 69% शेयर के साथ निजी क्षेत्र (30.764 मिट, 17.8% ऊपर) हॉट मेटल की प्रमुखता थी, पीएसयू के योगदान 31% की तुलना में ।
- ***पिग आयरन :*** 88% शेयर के साथ निजी क्षेत्र 3.042 मिट, 33.8% ऊपर) पिग आयरन की प्रमुखता थी, पीएसयू के योगदान 12% की तुलना में ।
- ***कुल तैयार इस्पात :*** 84% शेयर के साथ निजी क्षेत्र 53.068 मिट, 26.4% ऊपर) कुल तैयार इस्पात की प्रमुखता थी, पीएसयू के योगदान 16% की तुलना में ।

तैयार स्टील में फ्लैट/नॉन-फ्लैट का योगदान

- ***उत्पादन :*** नॉन-फ्लैट स्टील का 51.0% शेयर 35.9% ऊपर) तथा शेष 49.0% फ्लैट स्टील का शेयर 24.2% ऊपर!
- ***आयात :*** फ्लैट स्टील का 91% शेयर 20.8% ऊपर), जबकि शेष था 9% नॉन-फ्लैट का शेयर 10.0% नीचे) ।
- ***निर्यात :*** फ्लैट स्टील का 78% शेयर (9.4% ऊपर), जबकि शेष 22% नॉन-फ्लैट का शेयर था (139.5% अधिक) ।
- ***खपत :*** 'फ्लैट स्टील की प्रमुखता (54% शेयर, 27.4% ऊपर), जबकि शेष 46% शेयर नॉन फ्लै स्टील का था (24.5% ऊपर) ।

तैयार इस्पात उत्पादन का रुख

- 62.877 मिट पर, कुल तैयार इस्पात का उत्पादन अप्रैल– अक्टूबर 2021 में 29.9% अधिक है।
- नॉन'एलॉय स्टील क्षेत्र का योगदान 58.897 मिट पर (94% शेयर, 28.5% अधिक) रहा, जबकि शेष का योगदान एलॉय स्टील क्षेत्र का था (स्टेनलेस स्टील सहित) ।
- नॉन-एलॉय, नॉन-फ्लेट क्षेत्र में मात्रा की टर्म में प्रमुख योगदानकर्ता कुल तैयार इस्पात के उत्पादन में था बार एवं रॉड (24..708 मिट 39.2% अधिक), जबकि नॉन-एलॉय में फ्लैट क्षेत्र में वृद्धि एचआरसी द्वारा (26.526 मिट 22.0% अधिक) इस अवधि के दौरान प्रमुखता लायी गई ।

तैयार स्टील निर्यात का रुख

- कुल तैयार इस्पात का निर्यात था 8.809 मिट 24.1% अधिक) है !
- मात्रावार नॉन-एलॉय एचआरसी क्वायल/स्ट्रिप (3.972 मिट, 16.9% नीचे) सबसे अधिक निर्यात किया जाने वाला आइटम था (49% शेयर कुल नॉन-एलॉय में)।
- विएतनाम (1.157 मिट) भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार था।

तैयार इस्पात आयात का रुख

- कुल तैयार इस्पात का आयात इस अवधि के दौरान 2.751 मिट 17.2% अधिक ।
- भारत अप्रैल-अक्टूबर 2021 में कुल तैयार इस्पात का एक शुद्ध निर्यातक था ।
- मात्रावार नॉन-एलॉय जीपी/जीसी शीट्स/क्वायल (0.455 मिट. 23.0% अधिक) सबसे अधिक आयातित आइटम था (कुल नॉन-एलॉय में 27% शेयर)
- कोरिया (1.176 मिट) भारत के लिए सबसे बड़ा बाजार था (43% शेयर कुल में) ।

तैयार इस्पात खपत का रुख

- अप्रैल- अक्टूबर 2021 के दौरान 57.899 मिट पर कुल तैयार इस्पात की खपत थी 26.1% अधिक ।
- नॉन'एलॉय स्टील क्षेत्र का योगदान 53.525 मिट पर (92% शेयर, 24.1% अधिक) रहा, जबकि शेष का योगदान एलॉय स्टील क्षेत्र का था (स्टेनलेस स्टील सहित) ।
- नॉन-एलॉय, नॉन-फ्लैट क्षेत्र में मात्रा के टर्म में कुल तैयार इस्पात की खपत में प्रमुख योगदानकर्ता था बार एवं रॉड (24.329 मिट, 29.7% अधिक) जबकि इस अवधि के दौरान नॉन-एलॉय फ्लैट क्षेत्र में वृद्धि एचआरसी 22.051 मिट, 23.0% अधिक) द्वारा प्रमुखता लायी गई।

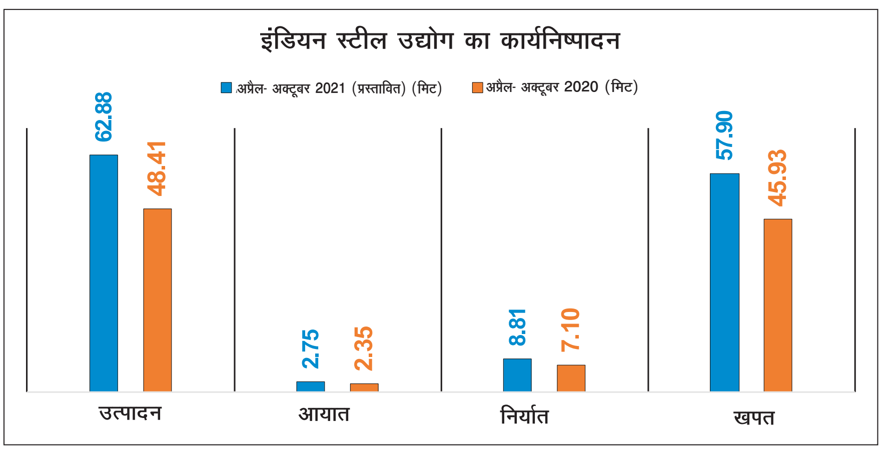

भारतीय अर्थव्यवस्था - कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें

जीडीपी : केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (सीएसओ), सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुमान वर्ष 2021-22 की तिमाही के लिए जारी किया है - स्थिर (2011-12) तथा वर्तमान कीमतों दोनों पर । रिपोर्ट के अनुसार, स्थिर (2011-12) कीमतों

पर जीडीपी का अनुमान वर्ष 2021-22 की प्रथम तिमाही के दौरान था 32.38 लाख करोड, जो वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में 7.4% संकुचन की तुलना में 8.4% की वृद्धि दर्शाता है । तिमाही जीवीए मूल कीमतों पर स्थायी (2011-12) कीमतें 2021-22 की दूसरी तिमाही में रु 32.89 लाख करोड़ का अनुमान है, जो 8.5% की वृद्धि दर्शाता है । इस अवधि के दौरान प्रायः सभी प्रमुख सेक्टरों ने ठोस विकास सूचित किया है, जिसमें कृषि एवं आनुषंगिक सेक्टर सबसे कम 4.5% और सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में सर्वोच्च 17.4% ।

औद्योगिक उत्पादन : अस्थायी सीएसओ के आँकड़े दर्शाते हैं कि इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) अप्रैल- सितम्बर 2021(प्रस्तावित) के दौरान 23.5% बढ़ा, पिछले वर्ष् उसी अवधि के महत्वपूर्ण निम्न बेस के कारण । उसी प्रकार विकास रुख का उच्च स्तर विभिन्न सेक्टरों/सब-सेक्टरों में उन्हीं कारणों से नोट किया गया था ।

संरचना विकास : डीपीआईआईटी द्वारा जारी अस्थाई आँकड़े दर्शाते हैं कि संरचना उद्योग में आठ कोर क्षेत्र में वृद्धि दर अप्रैल-अक्टूबर 2021 के दौरान 15.1% अधिक थी, इस अवधि के दौरान सभी सेक्टरों में वृद्धि दर्ज की गई, सिर्फ कच्चे तेल और उर्वरकों को छोड़कर ।

मुद्रास्फीति - अक्टूबर 2021 में मासिक डब्ल्यूपीआई पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर 12.54% रही, जबकि अखिल भारत सीपीआई मुद्रास्फीति दर (संयुक्त) 4.48% रही, और पिछले महीने की तुलना में दोनों ही पैरामीटरों ने वृद्धि दर्ज की ।

व्यापार : डीजीसीआई एण्ड एस के अस्थायी आँकड़े दर्शाते हैं अप्रैल- अक्टूबर 2021 के दौरान डॉलर के टर्म में पिछले वर्ष उसी अवधि की अपेक्षा समग्र निर्यात 53.87 प्रतिशत अधिक रहा तथा समग्र आयात 76.76 प्रतिशत अधिक रहा, दोनों साल-दर-साल के आधार पर । अप्रैल- सितम्बर 2021 के दौरान समग्र व्यापार घाटे का अनुमान था यूएस $39.91 बिलियन था, जबकि अप्रैल- अक्टूबर 2020 की तुलना में इस अवधि के दौरान व्यापार घाटा यूएस $14.06 बिलियन था ।

प्रस्तुतकर्ता : ज्वाइण्ट प्लाण्ट कमिटी

राष्ट्रीय समाचार

कच्चे माल की कीमतें ऑपरेशन्स बंद करने के लिए फाउण्ड्रियों को बाध्य कर रही हैं

कोयला तथा साथ ही साथ पिग आयरन की कीमतों में वृद्धि के साथ बढ़ती हुई लागत के दबाव के कारण, जो कि मेटल कास्टिंग के उत्पादन के लिए एक प्रमुख कच्चा माल है, फाउण्ड्रियों को उत्पादन में कटौती करने या बन्द करने के लिए बाध्य कर रहे हैं । इंस्टीच्यूट ऑफ इंडियन फाउण्ड्रीमेन (आईआईएफ) फाउण्ड्रियों के लिए एक पैन इंडिया एसोसिएशन - द्वारा अनुमान यह सुझाव देता है कि गुजरात में अधिकांश फाउण्ड्रियों को दीवाली के बाद उत्पादन अभी भी बहाल करना है, क्योंकि वे कार्यकारी पूँजी की बेहद कमी का सामना कर रहे हैं । फाउण्ड्रियों के लिए संचालन हेतु कोयला एक महत्वपूर्ण इनपुट मटेरियल है, जिनकी कीमतें दुगुनी हो गई है। इसके अलावा, पिग आयरन, जो कि एक मूल कच्चा माल है, कम से कम 45 प्रतिशत तक मँहगा हो गया है । चूँकि अधिकांश फाउण्ड्री यूनिटें उत्पादन प्रक्रिया के लिए कोयले पर निर्भर हैं, इनपुट लागत कम से कम 25 प्रतिशत तक नाटकीय ढंग से बढ़ी है। सुबोध पंचाल, विगत अध्यक्ष, आईआईएफ के अनुसार अधिकांश फाउण्ड्रियाँ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम थी, जिनके पास मँहगा कच्चा माल खरीदने के लिए पर्याप्त कार्यकारी पूँजी नहीं हैं । उसी समय, समय पर कच्चे माल की उपलब्धता अन्य बाधा थी। मामले को खराब करते हुए फाउण्ड्रियाँ आपूर्ति सम्बन्धी रुकावटों के कारण नए ऑर्डर वाल्यूम पर कैश-इन करने में असमर्थ हैं, जो अनिश्चित आपूर्ति तथा कच्चे माल की बढ़ती हुई कीमतों की बदौलत हैं। यह फाउण्ड्री के परिचालन को अक्षम बना रही है और बहुत सारी छोटी इकाइयाँ बंद होने के कगार पर हैं, आईआईएफ के अनुसार ।

राउरकेला स्टील प्लाण्ट ने प्रमुख क्षेत्रों में अबतक का सर्वोत्तम अप्रैल-अक्टूबर उत्पादन दर्ज किया

राउरकेला स्टील प्लाण्ट (आरएसपी) ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में अब तक का सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन तीन प्रमुख क्षेत्रों - हॉट मेटल, कच्चा एवं बिक्रीयोग्य स्टील में दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले सात महीनों के दौरान प्लाण्ट ने 24,63,448 टन हॉट मेटल, 22,96,815 टन कच्चा इस्पात तथा 20,90,372 टन बिक्रीयोग्य स्टील का उत्पादन किया, इसने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया । इसने क्रमशः 30.7 प्रतिशत, 31.1 प्रतिशत तथा 35.3 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है- पिछले वर्ष उसी अवधि के ऊपर ।

आरआईएनएल ने एनर्जी एफीसिएण्ट यूनिट पुरस्कार जीता

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने ऊर्जा संरक्षण की दिशा में इसके प्रयास हेतु मान्यतास्वरूप उत्कृष्ट ऊर्जा कुशलता यूनिट पुरस्कार हासिल किया । यह पुरस्कार जीबीसी नेशनल एवार्ड कंपटीशन में कंफेडरेशन इंडियन इंडस्ट्री द्वारा प्रदान किया गया, जिसका आयोजन अगस्त के माह में ऊर्जा प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए किया गया। इस मौके पर बोलते हुए आरआईएनएल के

सीएमडी अतुल भट्ट विशाखापतनम् स्टील प्लांट को सामूहिक रूप से इस अनूठी उपलब्धि के लिए सराहना की और उल्लेख किया कि ऊर्जा संरक्षण की दिशा में कार्यदल का यह संकल्प दर्शाता है। उन्होंने ऊर्जा खपत में अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्किंग हासिल करने के लिए उन्हें बधाई दी, जो कि इस्पात निर्माण प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण पैरामीटर है। आरआईएनएल इससे पूर्व नेशनल एनर्जी लीडर एवार्ड पुरस्कार से तीन बार नवाजा गया था, जोकि लगातार चार वर्षों (2017, 2018,2019,2020, 2021) के लिए इसके द्वारा जीता गया ।

टाटा स्टील की 2री तिमाही का परिणामः एकीकृत पैट साल-दर-साल 661% बढ़ा

टाटा स्टील ने सितम्बर में समाप्त तिमाही के लिए एकीकृत शुद्ध लाभ रु 11,918.11 करोड़ में साल-दर-साल 661.3 प्रतिशत की वृद्धि सूचित की है, जोकि विश्लेषकों के अनुमान से थोड़ा अधिक है। इस्पात निर्माता ने एकीकृत कुल प्रचालन से राजस्व में साल-दर-साल 54.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रु 60,282.8 करोड़ उक्त तिमाही में दर्ज किया है, जो कि स्ट्रीट की प्रत्याशा से काफी अधिक है। कंपनी ने शेयर स्वैप अनुपात की घोषणा भी बामनीपाल स्टील तथा टाटा स्टील बीएसएल के विलय के लिए की है। टाटा स्टील ने कहा कि शेयरधारकों द्वारा टाटा स्टील बीएसएल के प्रत्येक 15 शेयरों के बदले कंपनी का एक शेयर देने का ऑफर किया है । इतना ही नहीं, बामनीपाल स्टील तथा टाटा स्टील द्वारा टाटा स्टील बीएसएल में धारित स्टेक निरस्त हो जायेगा ।

टाटा स्टील यूके ने आयरलैंड में लिसबर्न सर्विस सेण्टर में निवेश किया

टाटा स्टील यूके उत्तर आयरलैंड में लिसबर्न में वितरण केन्द्र तथा अपनी सेवाओं में सुधार कर रहा है, साथ ही साथ अपनी लॉजिस्टिक वाहनों की फ्लीट को भी अद्यतन कर रहा है, क्योंकि महत्वपूर्ण आयरलैंड बाजार में ग्राहकों को मटेरियल की अबाध आपूर्ति सुरक्षित करना चाहता है। एक नया जीबीपी 1.2 मिलियन स्टील रूफ, कंपनी के अपने उच्च-स्पे रूफिंग उत्पादों से निर्मित, लिसबर्न साइट पर स्थापित किया गया है, जो आयरिश बाजारों के लिए डिलिवरी से पूर्ण आशान्वित स्थिति में उसे भण्डारित और प्रोसेस किया जा सकता है । नए रूफ की स्थापना इंडस्ट्रियल रूफिंग स्कॉट लैंड द्वारा किया गया है । साथ ही साथ, कंपनी ने अपने डिलिवरी ट्रकों के फ्लीट को नए 9 अधिक ईंधन कुशल ट्रैक्टर यूनिटों और ट्रेलरों के साथ बदल दिया है। टाटा स्टील का लिसबर्न सर्विस सेण्टर विस्तृत उत्पाद एवं सेवाएँ प्रदान करता है, जो टाटा स्टील फ्लैट उत्पादों का पूरा रेंज कवर कर रहा है, जिसका प्रयोग निर्माण के कृषि संबंधी उपकरण एवं अर्थ मूविंग के प्रत्येक वस्तु में किया जाता है। इन-हाउस क्वायल स्लीटिंग, डीक्वायलिंग तथा ब्लैंकिंग विस्तृत प्रोसेसिंग क्षमता प्रदान करता है, ताकि ग्राहकों की जरूरतों को स्थानीय तौर पर पूरा किया जा सके। स्थानीय प्रोसेसिंग क्षमता तथा एक्सटेंसिव स्टॉक रेंज संयुक्त रूप से अपने ग्राहकों को लचकदार एवं जिम्मेदार सेवा प्रदान करता है ।

टाटा स्टील का नाम भारत में 2021 में महिलाओं के लिए 100 सर्वोत्तम कंपनियों में आया

टाटा स्टील को 2021 में 100 बेस्ट कंपनीज फॉर वीमेन्स इन इंडिया (बीसीडब्ल्यूआई) 2021 में वर्किंग मदर एवं अवतार द्वारा मान्यता प्रदान किया गया है । इस वर्ष पुरस्कार विजेता का चयन एक अध्ययन के आधार पर किया गया था, जो है भारत का सबसे बड़ा जेण्डर एनलिटिक्स स्टडी, जिसका उद्देश्य है ऐसी कंपनियों का पहचान करना जो सबसे अधिक असरदार जेण्डर डायवर्सिटी पहल वाली हों । यह अध्ययन जेण्डर डायवर्सिटी नीतियों और प्रैक्टिसों को देखता है- जैसे कि वर्कफोर्स प्रोफाइल, नियुक्ति, रिटेंशन, कैरियर, सुरक्षा एवं संरक्षा, लचकदार कार्य, पैतृक छुट्टी और पैतृक लाभ एवं कार्य जीवन कार्यक्रम, कंपनी कल्चर और मैनेजमेण्ट जवाबदेही ।

जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का उत्पादन 6% बढ़कर अक्टूबर में 14.25 लाख टन हुआ

देशी स्टील जायण्ट जेएसडब्ल्यू स्टील ने मंगलवार को कच्चे इस्पात के उत्पादन में 6 प्रतिशत साल-दर-साल वृद्धि के साथ 14.25 लाख टन अक्टूबर 2021 के दौरान दर्ज किया है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने वर्ष 2020 में उसी महीने के दौरान 13.38 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया था, ऐसा कंपनी ने एक बयान में कहा है। माह-दर-माह के आधार पर, अक्टूबर में उत्पादन भी 13.38 लाख टन स्टील से 6 प्रतिशत अधिक है, जो कंपनी ने सितम्बर 2021 में उत्पादित किया था ।

एएम/एनएस इंडिया का EBITDA सितम्बर तिमाही में 213% उछलकर $551 मिलियन हुआ

आर्सेलरमित्तल निप्पन स्टील इंडिया (एएम/एनएस) ने सूचित किया है कि उसका EBITDA 30 सितम्बर को समाप्त तिमाही में 213 प्रतिशत बढ़कर $551 मिलियन हो गया है। एक वर्ष पहले यह $176 मिलियन था। पिछली तिमाही में $607 मिलियन की तुलना में यह कम था, जो मुख्यतया नकारात्मक लागत प्रभाव के कारण था- अधिक आयरन ओर एवं ऊर्जा लागत के कारण । कच्चे इस्पात का उत्पादन इस तिमाही में 1.9 मिट तक बढ़ गया था, 2021 की दूसरी तिमाही में 1.8 प्रतिशत की तुलना में । आर्सेलरमित्तल जनवरी-दिसम्बर वित्तीय वर्ष का अनुसरण करता है और एएम/एनएस इंडिया के आँकड़े उक्त तिमाही में इसकी आय के अंश के रूप में जारी किये गये थे।

> आर्सेलरमित्तल निप्पन स्टील इंडिया (एएम/एनएस) ने सूचित किया है कि उसका EBITDA 30 सितम्बर को समाप्त तिमाही में 213 प्रतिशत बढ़कर $551 मिलियन हो गया है।

जेएसडब्ल्यू स्टील, वरुण बेवरेजेज पहली कंपनियाँ हैं, जिन्हें बिजनेश यूनिट के लिए जम्मू एवं कश्मीर में जमीन मिली है

लगभग 400 कंपनियों ने, 50 जम्मू एवं कश्मीर की सहित, यूनियन टेरिटरी की नई औद्योगिक नीति का प्रतिसाद दिया है । जिन फर्मों ने दिलचस्पी दिखाई हैं, उनमें शामिल हैं जेएसडब्ल्यू स्टील, वरुण बेवरेजेज लिमिटेड एचपी कैपिटल, आत्मीयफील्ड कॉउ तथा रश्मि समूह। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के स्रोतों के अनुसार, जेएसडब्ल्यू स्टील को 50 कनाल (6.25 एकड़) जमीन श्रीनगर में लस्सीपुर में एक स्टील कंपनी की स्थापना हेतु दी गई है । यह समूह रु 150 करोड़ का निवेश करेगा, स्रोतों ने कहा । 9 अक्टूबर को, गृह मत्री अमित शाह द्वारा केन्द्र शासित प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे के दौरान, इस समूह के प्रतिनिधियों को स्टील प्लांट के लिए जमीन के आवंटन के दस्तावेज दिए गए थे। स्रोतों ने बताया कि वरुण बेवरेजेज लिमिटेड को जमीन आवंटन के कागजात जम्मू में कठुआ में एक बिजनेश यूनिट की स्थापना हेतु दिए गए । यह कंपनी बोतलों का उत्पादन करती है तथा बवरेजों का वितरण करती है। यह पेपसी कं0 की यूनाइटेड स्टेट्स के बाहर दूसरी सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी है।

जेएसपीएल अपनी अंगूल स्टील क्षमता को बढ़ाने हेतु रु 18,000 करोड़ का निवेश करेगा

स्टील उत्पादक जेएसपीएल ने वर्ष 2023 तक अपनी अंगूल स्टील की क्षमता को 12 मिट तक बढ़ाने के लिए रु 18,000 करोड़ निवेश करने की योजना बनाई है। जेएसपीएल के प्रबंध निदेशक वी आर शर्मा ने बताया कि कंपनी अंगूल प्लांट की क्षमता 12 मिट तक बढ़ाने के लिए लगभग रु 18,000 करोड़ का निवेश करेगी और वर्ष 2025 तक इसे 15 मिट तक बढ़ाने की योजना बनाई है । उन्होंने बताया कि विस्तार को आंतरिक स्रोतों के जरिये किया जाएगा। 15 मिट की विस्तार योजना हेतु 4.25 मिट ब्लास्ट फर्नेश, 2.7 मिट डाइरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन तथा 6.3 मिट स्टील मेल्ट शॉप पर विचार किया जा रहा है । कंपनी को ब्लास्ट फर्नेश चालू करने में 40 माह (दिसम्बर 23) लगेंगे, उसके बाद डाइरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन प्लांट को किया जायेगा, जिसकी शुरुआत फरवरी 2025 में करने की आशा है। इन परियोजनाओं पर, संबद्ध कच्चे माल की क्षमताओं - कोक ओवेन, ऑक्सीजन प्लांट - रु 18,000 करोड़ के नियोजित पूँजीगत व्यय का दो-तिहाई व्यय होंगे ।

जेएसपीएल को वित्त वर्ष 22 में बिक्री के रु 50,000 करोड़ छूने की आशा है

नवीन जिंदल के नेतृत्व में जिंदल स्टील एण्ड पावर (जेएसपीएल) ने वित्त वर्ष 22 तक लगभग रु 50,000 करोड़ का बिक्री राजस्व हासिल करने की योजना है- 8 मिट उत्पादन के साथ । कंपनी ने अपना शुद्ध ऋण रु 8,000 तक कम करने की भी योजना बनाई है, जोकि वित्त वर्ष 21 में लगभग रु 22,146 करोड़ था। राजस्व बढ़ रहा है और उनकी बिजनेश योजना वित्त वर्ष 22 के आखीर तक रु 50,000 करोड़ तक पहुँचने की योजना है, कंपनी के प्रबंध निदेशक वी आर शर्मा ने स्वीकार किया ।

श्याम मेटालिक्स ने वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में रु 410 करोड पैट दर्ज किया

श्याम मेटालिक्स एण्ड एनर्जी ने वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ रु 410.3 करोड़ तक पहुँचने में 157% तक उछाल सूचित किया है, जो वित्त वर्ष 21 की दूसरी तिमाही में रु 159.6 करोड़ था। दूसरी तिमाही में राजस्व 87 प्रतिशत बढ़कर रु 2,494.3 करोड़ हो गया है, जबकि पिछले वर्ष उसी अवधि में रु 1,335.2 दर्ज किया गया था। वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में EBITDA था रु 624 करोड़, वित्त वर्ष 21 की दूसरी तिमाही में दर्ज रु 260.3 करोड़ से 140% अधिक है। EBITDA मार्जिन वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में 25% था, वित्त वर्ष 21 की दूसरी तिमाही में 19.5% की तुलना में ।

वीसा स्टील ने सितम्बर 2021 तिमाही में रु 12.72 करोड़ की स्टेंडलोन शुद्ध हानि सूचित की

वीसा स्टील की शुद्ध हानि सितम्बर 2021 को समाप्त तिमाही में रु 12.72 करोड़ सूचित की गई है, सितम्बर 2020 को समाप्त पिछली तिमाही के दौरान रु 21.91 करोड़ की शुद्ध हानि के विरुद्ध । बिक्री 32.87% बढ़कर सितम्बर 2021 को समाप्त तिमाही में रु 206.17 करोड़ हो गयी है, जबकि सितम्बर 2020 में समाप्त पिछली तिमाही के दौरान यह रु 155.17 करोड़ थी। Particulars Quarter Ended Sep. 2021Sep. 2020% Var.Sales 206.17155.17 33 OPM %-3.77-11.69 -PBDT-1.10-10.18 89 PBT-12.72-21.91 42 NP-12.72-21.91 42.

भारतीय इस्पात बाजार त्यौहारी मौसम में मंद रहे

अर्द्ध-तैयार स्टील की कीमतों ने 45वें सप्ताह (1-6 नवम्बर 21) के दौरान तेज गिरावट दर्ज की। घरेलू बिलेट की कीमतें रु 200-1,000/टन तक गिरी हैं, जबकि स्पंज आयरन ने भी पूरे रीजन में रु 500-1,500/टन तक तेज गिरावट ऑफर की है, जिसमें दक्षिणी भारत में अधिक गिरावट रु 1,000-1,500/टन दर्ज की गई । भारत का तैयार लम्बे स्टील का बाजार इंडक्शन फर्नेश रूट के जरिये इस सप्ताह में मंद रहा, जिसमें कीमतें सप्ताह-दर-सप्ताह रु 1,000/टन तक गिरी हैं । घरेलू कीमतें हॉट रोल्ड क्वायल, एचआर प्लेट्स तथा कोल्ड रोल्ड क्वायल का इस सप्ताह समान रहीं ।

अर्द्ध-तैयार स्टील की कीमतों ने 45वें सप्ताह (1-6 नवम्बर 21) के दौरान तेज गिरावट दर्ज की।

स्टील कीमतों में वृद्धि के खिलाफ उद्योग का विरोध चौथे दिन में प्रवेश किया

विश्वकर्मा दिवस के दिन, जब उद्योग क्राफ्ट एवं इंजीनियरिंग के हिन्दू भगवान विश्वकर्मा की याद में फैक्ट्रियों में विशेष प्रार्थना के आयोजन पर फोकस कर रहा था, उसकी जगह स्टील, जिंक आदि जैसे कच्चे माल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए रेगुलेटरी कमीशन की माँग करते हुए धरना पर बैठ गए हैं । लुधियाना में यूनाइटेड साइकिल पार्टर्स एण्ड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (यूसीपीएमए) के परिसर के बाहर किये जा रहे धरने का शुक्रवार चौथा दिन था- जिसका आयोजन “व्हाइस ऑफ इंडस्ट्री” के बैनर तले किया जा रहा है। मनजिंदर सिंह सचदेव, जनरल सेक्रेटरी, यूसीपीएमए, जो

धरना का नेतृत्व कर रहे हैं, ने कहा कि यह उद्योग की आवाज है, अतः धरना पीसीपीएमए के बैनर तले नहीं है,क्योंकि कच्चे माल की समस्या सभी के लिए है । हमारे उद्योग के पास कोई कार्यकारी पूँजी नहीं बची है। उद्योग के लिए यह कठिन समय है और केन्द्र सरकार को हमारे बारे में सोचना होगा, सिर्फ कॉर्पोरेटों को समर्थन देने के सिवा ।

एमएसएमई ने कच्चे माल की मूल्य-वृद्धि के खिलाफ विरोध की योजना बनाई है

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम स्तर के उद्यम (एमएसएमई) कच्चे माल की उच्च कीमतों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए विरोध आयोजित करने की ओर देख रहे हैं। कीमतों में उतार-चढ़ाव हो रहा है। दो दिन पूर्व तांबे के उत्पादों की कीमतें रु 90 प्रति मिलो बढ़ गई थी और उसके बाद रु 10 या रु 15 तक गिर गई थीं । क्या हम रोजाना अपने उत्पादों की कीमतों में बदलाव कर सकते हैं । हम अपने उत्पादों की कीमतें कोट करने में असमर्थ हैं, क्योंकि बहुत ज्यादा अनिश्चयता है। हमने मंत्री महोदय से मिलने के लिए समय माँगा था और कई बार अपील किया हैं । परन्तु सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है,ऐसा कहना है एम वी रमेश बाबू, अध्यक्ष, कोयम्बटूर जिला लघु उद्योग एसोसिएशन का । यदि हम अपने खरीदारों को कीमतें कोट करते हैं, तो ऑर्डर पूरा होने में 10 दिन लग जाते हैं । जब ऑर्डर पूरा होता है तो यदि कीमतें घटीं तो एमएसएमई यूनिट को लाभ होगा परन्तु यदि बढ़ गईं तो यूनिट को नुकसान हो जाएगा । जो निविदा में भाग लेते हैं, वे बोली लगाने में असमर्थ हो जाते हैं । इसीप्रकार, जो यूनिटें खरीदारों के साथ एक वर्ष के लिए करार करते हैं, उन्हें भी नुकसान होता है । हम समस्या का समाधान चाहते हैं। अतः, इंडस्ट्री एसोसिएशन भावी कार्रवाई के निर्धारण हेतु बातचीत कर रहा है, उन्होंने बताया ।

भारतीय और चायनीज स्टील प्लेयरों के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी : आईसीआरए

भारतीय और चायनीज स्टील प्लेयरों के बीच प्रतिद्वंदिता वैश्विक स्तर पर बढ़ सकती हैं, चीन में मंद स्टील माँग के बीच, आईसीआरए के अनुसार । चीन में, जो सबसे बड़ा इस्पात खपत करने वाला देश है- इस्पात निर्माता कमजोर माँग की वर्द्धित अवधि के लिए तैयार हो सकते हैं, क्योंकि अर्थव्यवस्था ओवरहीटेड प्रापर्टी मार्केट की पुनर्संतुलन प्रक्रिया से गुजरती है, जोकि देश की स्टील माँग को संचालित करने वाला पिछले दो दशक से प्रमुख विकास इंजन रहा था, रेटिंग एजेंसी ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया । आईसीआरए के अनुसार, 2020-21 में चीन भारत से सबसे बड़ा एकल स्टील के आयातक के रूप में उभरा है। तथापि, चालू वित्त वर्ष में बढ़ती हुई चायनीज स्टील की माँग, भारतीय मिलों द्वारा चीन को स्टील निर्यात का शेयर चालू वित्त वर्ष के प्रथम आधे में सिर्फ 8 प्रतिशत तक गिर गया है, जो पिछले वित्त वर्ष में 30 प्रतिशत था ।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने जिंदल स्टील को जमीन आवंटन पर प्रश्न वाला पेटिशन क्वाश किया

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को एक पेटिशन को क्वैश कर दिया, जिसमें जिंदल स्टील कंपनी को राज्य सरकार द्वारा 3,667 एकड़ जमीन के आवंटन पर प्रश्न उठाया गया था । मुख्य न्यायाधीश ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता में एक डिविजन बेंच ने यह निर्णय लिया, जो के ए पाल द्वारा इस सम्बन्ध में फाईल किये गये पेटिशन की सुनवाई कर रहे थे। सरकार की ओर से अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि जिदंल स्टील कंपनी को जमीन आवंटन संबंधी निर्णय 26 अप्रैल को कैबिनेटकी बैठक में तत्कालीन मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा द्वारा लिया गया था । पेटिशन में निर्णय पर प्रश्न उठाया गया है और मामला मुख्यमंत्री बासवराज मोम्मई के समक्ष हैं, जो पूर्ववर्ती निर्णय को फिर से देखेंगे, उन्होंने बताया ।

अन्तर्राष्ट्रीय समाचार

यूएई ने राष्ट्रीय स्टील एसोसिएशन की स्थापना की, स्थानीय कंटेण्ट पर नजरें

यूनाइटेड अरब अमीरात ने एक एसोसिएशन की स्थापना की, जो राष्ट्रीय इस्पातनिर्माओं के हित का प्रतिनिधित्व करता है। नेशनल स्टील प्रोड्यूडर्स कमिटी (एसपीसी) 2020 में फेडरेशन ऑफ यूएई चेम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री द्वारा अनुमोदित की गई थी, फेडरेशन्स लॉ आर्टिकिल नं0 22/2000 के अधीन । सितम्बर में, अमीरात स्टील (ईएसआई) चीफ एक्जीक्युटिव सईद अल रेमेती अबू धबी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के निदेशक मण्डल के उप कोषाध्यक्ष बन गए (कल्लानिश पैस्सिम देखें)। एसपीजी के शुरुआती प्रेस कंफरेंश में बोलते हुए रेमेती, जिन्हें एसपीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और अब अरकान के सीईओ हैं, क्योंकि फर्म का ईएसआई के साथ विलय हो गया है, कहा कि यूएई स्टील प्रोड्यूसर्स कमिटी के पास कई बिलियन डॉलर इंडस्ट्री में अदा करने की भूमिका है । एसपीसी की स्थापना एक स्वतंत्र एनजीओ के रूप में हुई है, जो स्टील उत्पादकों का बचाव करने के लिए उद्देश्य से इंडस्ट्री का प्रतिनिधित्व प्रदान करता है और पूरे यूएई में सेवा प्रदाता के रूप में भी, बल्कि 300 बिलियन वाले यूएई के इंडस्ट्रियल स्ट्रेटेजी और यूएई नेट जीरो स्ट्रेटेजिक पहल 2050 तक के ऑपरेशन में भी योगदान देता है । इसके अतिरिक्त, समिति इंडस्ट्री द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों की वास्तविकता को भी एड्रेस करती है, जब सरकार, निजी क्षेत्र तथा समग्र संयुक्त उद्यम के साथ कार्य के सम्बन्धों को मजबूत कर रहा होता है, उन्होंने बताया । समिति जो 15 उद्योग अग्रणियों के साथ गठित की गई है, देश की छवि को बढ़ावा देने के लिए सरकारी क्षेत्रों के साथ समन्वय करेगा- पहलों के साथ जैसे कि 'यूएई में निर्मित' परन्तु ओपेन मार्केट रेगुलेशन को कमजोर नहीं करेगा। एसपीसी उचित प्रतियोगिता सिद्धांतों के स्कोप में आयात को रोकने या नियमों एवं विनियमों को लागू नहीं करेगी और आयातित और स्थानीय निर्मित इस्पात उत्पादों के बीच 'विन-विन' स्थिति में पहुँचने का उद्देश्य है। समिति यूएई राष्ट्रीयों के लिए प्रशिक्षण एवं सीख अनुभव भी प्रदान करेगी- इस्पात उद्योग में कैरियर बनाने हेतु ।

चीन का स्टील उत्पादन रुकने की मार्च 2022 तक बढ़ने की संभावना

चीन का स्टील उत्पादन अंकुश वर्ष 2022 को पहली तिमाही तक जारी रहने की उम्मीद है, क्योंकि बीजिंग ने आगामी विण्टर ओलिंपिक में प्रदूषण नियंत्रण की माँग की है और सुधार के कारण परन्तु अभी भी विद्युत की कमी चल रही है। प्रदूषण नियंत्रण और विद्युत की कमी चायनीज स्टील कंपनियों के लिए मार्जिन के समर्थन हेतु अनुकूल आपूर्ति और माँग डायनामिक निर्मित करेगी, क्रेडिटसाइट के अनुसार अपने हालिया नोट में- जो फिच समूह की यूनिट है । चीन का मासिक कच्चे इस्पात का उत्पादन अक्टूबर में साल-दर-साल 23 प्रतिशत नीचे है तथा चीन की स्टील मिलों की क्षमता उपयोग दर नवम्बर में रिकार्ड स्तर तक गिर गई है । क्रेडिटसाइट के अवलोकन के आधार पर, टंगशान रीजन में ब्लास्ट ऑक्सीजन फर्नेशों का 50 प्रतिशत से अधिक - जो कि स्टील उत्पादन का 20 प्रतिशत से

अधिक करता है । यहाँ तक कि छोटी स्टील की मिलें, जो अधिक कीमत साइकिल के दौरान तेजी से उत्पादन वृद्धि का रुख रखती है, उत्पादन बढ़ाने की व्यवस्था नहीं की है,स्थानीय सरकारों द्वारा उत्पादन अंकुश के ठोस इनफोर्समेण्ट के कारण, इसने बताया । इतना ही नहीं, चीन 13.5 प्रतिशत तक जीडीपी की प्रति यूनिट ऊर्जा खपत में कटौती करने तथा कार्बन उत्सर्जन को 2025 तक 18 प्रतिशत तक कटौती के प्रति कृत-संकल्प है ।

यूरोपियन एचआरसी की कीमतें गिरी, क्योंकि ऑटो की बिक्री कम हुई

यूरोप में कम ऑटो बिक्री ने पश्चिमी यूरोपियन हॉट रोल्ड क्वायल की कीमतों को दबाव में रखा है। तथापि, निर्माण से माँग फिर भी फ्लैट रोल्ड उत्पाद के लिए कीमतों को सपोर्ट करने में मदद कर रही है। एक व्यापारी के अनुसार, लोग किसी चीज में अपने पैसे निवेश करना चाहते है । आर्सेलरमित्तल ने मूल रूप से €1,080 ($1,210) नवम्बर में माँगा था। जबकि वह कीमत लक्जमबर्ग समूह का सरकारी है, लेनदेन निम्न स्तर पर किया गया है । बड़ी मात्रा में लेनदेन नवम्बर में €980-1,000 ($1,095-1,120) प्रति मेट्रिक टन exw जनवरी डिलिवरी हेतु हुआ है, व्यापारी ने बताया । छोटी मात्रा में लेनदेन €1,050 ($1,175) पर हुआ था, व्यापारी ने बताया । रूस एवं टर्की से आयात का लेनदेन औसत लगभग €865 ($970) पर प्रति टन सीएफआर यूरोप पर हुआ था। यूरोपियन यूनियन में नया ऑटोमोबाईल पंजीकरण यूरोपियन यूनियन में कुल 665,000 यूनिट अक्टूबर के लिए था। जो वर्ष भर में 950,000 यूनिटों के 30% से अधिक की गिरावट है, यूरोपियन ऑटोमोबाईल मैन्यु. एसोसिएशन ने कहा ।

यूएस स्टील आयात अक्टूबर में गिरा है, क्योंकि कीमतें मंद पड़ी थीं

यूएस स्टील आयात अक्टूबर में मासिक तुलनात्मक आधार पर गिरा है, परन्तु वर्ष के प्रथम दस महीनों में साल-दर-साल बढ़ा है- अमेरिकन आयरन एण्ड स्टील इंस्टीच्यूट (AISI) रिपोर्ट के अनुसार । कुल स्टील का आयात अक्टूबर में 17 प्रतिशत गिरा है। उत्तर अमेरिकन स्टील निर्माताओं के एसोसिएशन ने नोट किया कि कुल घरेलू स्टील का आयात 16.7% विगत माह अक्टूबर में अंदाजन 2.71 मिलियन नेट टन से गिरा है । तैयार इस्पात का आयात भी 6% गिरकर लगभग 2.32 मिलियन नेट टन उक्त माह में हुआ है। तैयार इस्पात आयात का सबसे बड़ी मात्रा अक्टूबर में ऑफशोर से दक्षिण कोरिया से 203,000 नेट टन (सितम्बर से 32% नीचे) टर्की से 149,000 नेट टन (26% अधिक), विएतनाम से 110,000 नेट टन (41% ऊपर) जर्मनी से 83,000 नेट टन (6% नीचे) तथा जापान से 80,000 नेट टन (3% नीचे) थी, एआईएसआई के अनुसार । इस बीच, कुल एवं तैयार घरेलू स्टील का आयात साल-दर-साल 38.5% और 39.6% क्रमशः बढ़ा है, 2021 के प्रथम दस महीनों में ईयर-टू-डेट। एआइएसआई ने नोट किया कि ये आँकड़े प्रारंभिक सेंसस ब्यूरो डाटा पर आधारित हैं। एआईएसआई के अनुसार, तैयार इस्पात के आयात बाजार शेयर का अनुमान अक्टूबर में 24 प्रतिशत था, जो सितम्बर में 25% से नीचे। वर्ष 2021 के प्रथम दस महीनों में तैयार स्टील आयात बाजार शेयर का अनुमान 21 प्रतिशत है। वर्ष 2021 में वार्षिक कुल एवं तैयार स्टील का आयात 31.8 मिलियन नेट टन (वर्ष भर में 44.6% ऊपर) तथा 22.8 मिलियन नेट टन (41.4% ऊपर), क्रमशः, एआईएसआई नोट किया ।

चीन का स्टील-संबद्ध मैन्यु. उत्पादन इंडेक्स अक्टूबर में गिरा

चीन की स्टील खपत का मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन इंडेक्स, जिसका एसएण्डपी ग्लोबल प्लैट्स अक्टूबर

में 102 प्वाइंट था, सितम्बर में 13 प्वाइंट नीचे है और 2020 की उसी अवधि से 6 प्वाइंट नीचे है। उत्पादन इंडेक्स चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिक्स उत्पादन डाटा 17 स्टील-संबद्ध मैन्युफैक्चर्ड गुड्स पर आधारित है, जिसे सात सेक्टरों में श्रेणीबद्ध किया गया है और स्टील खपत के उनके शेयर के अनुसार भारित है। वर्ष 2018 में मासिक उत्पादन औसत का प्रयोग 100 के बेसलाईन के रूप में किया गया है। विगत कुछ सप्ताहों में, निर्माण-संबद्ध मैन्यु. गुड्स को चीन के प्रापर्टी सेक्टर में गिरावट से सबसे अधिक चोटिल के रूप में लिया गया है, जबकि आउटलुक खपत-संबद्ध गुड्स सेक्टर के लिए उत्साहवर्द्धक है, जिसके 2022 में अधिक नीतिगत समर्थन प्राप्त करने की आशा है । अक्टूबर में, इंजीनियरिंग मशीनरी, होम एप्लीऐंसेज तथा वाहनों के धीमे उत्पादन ने मैन्यु. उत्पादन इंडेक्स की गिरावट में सबसे अधिक योगदान किया है । चीन की मैन्यु. स्टील माँग में गिरावट ने अक्टूबर के मध्य से स्टील के उत्पादन में गिरावट की गति को ओवरस्ट्रिप्ड किया है। इसके फलस्वरूप, घरेलू हॉट रोल्ड क्वायल अथवा एचआरसी का बिक्री प्राफिट मार्जिन अक्टूबर की शुरुआत से 64% गिरकर $74/मिट माह के आखीर में हुआ है, ऐसा प्लैट्स एनालिटिक्स के आँकड़े दर्शाते हैं । 10 नवम्बर से, एचआरसी मार्जिन नकारात्मक हो गया है। एचआरसी मार्जिन फ्लैट स्टील सेक्टर में कीमतों के रुख का संकेतक है। प्रापर्टी सेक्टर धीमा हुआ है। इंजीनियरिंग मशीनरी तथा होम एप्लीऐसेज में गिरावट चीन की प्रापर्टी निर्माण गतिविधियों में गिरावट का परिणाम है, ऐसा कुछ स्रोतों ने कहा। चीन का प्रापर्टी सेक्टर अभी दबाव के अधीन है, उपायों द्वारा ट्रिगर की गई प्रगति ऋण को कसी है, जिसे सेक्टर के ऋण जोखिम को डिफ्यूज करने के लिए लिया गया था । आउटलुक भी निकट समय में सेक्टर के लिए उत्साहबर्द्धक दिखाई नहीं पड़ रहा है, जमीन खरीद एवं घरेलू बिक्री में मंदी 2021 में जो है वह 2022 में भी जारी रहने की आशा है ।

टर्किश स्टील उत्पादक अर्जिन मैकिन ग्रीन हो रहा है

अर्जिन मैकिन, इस्तम्बूल में अवस्थित विशिष्ट स्टील उत्पादक, ने पर्यावरण अनुकूल बिजनेश के रूप में प्रमाणपत्र हासिल किया है। यूरोपियन यूनियन द्वारा समर्थित ईबीआरडी ने इस लक्ष्य को हासिल करने और आईएसओ प्रमाणीकरण हासिल करने में कंपनी की मदद की है। अर्जिन मैकिन, जो कई इंजीनियरिंग क्षेत्र में 50 से अधिक वर्षों से सेवा कर रहा है, अपने अभिनव तकनोलॉजी एवं निपुण स्टाफ के साथ भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। सभी उनकी बिजनेश गतिविधियाँ सर्वोत्तम क्वालिटी मटेरियल और आज के बाजार में उपलब्ध सर्वोत्तम कारीगरी के साथ की जाती हैं। कंपनी स्टील मैन्युफैक्चरिंग, असेम्बली, परिपूर्ण मेकनिकल सर्विस एवं रीसाइकिल योग्य काउण्टरवेट (ग्रीनवेट) उत्पादन के क्षेत्र में औद्योगिक एवं वाणिज्यिक उद्यमों के लिए सेवाएँ प्रदान करती है ।

अर्जिन मैकिन, इस्तम्बूल में अवस्थित विशिष्ट स्टील उत्पादक, ने पर्यावरण अनुकूल बिजनेश के रूप में प्रमाणपत्र हासिल किया है। यूरोपियन यूनियन द्वारा समर्थित ईबीआरडी ने इस लक्ष्य को हासिल करने और आईएसओ प्रमाणीकरण हासिल करने में कंपनी की मदद की है।

ईरान ने दुनिया के दसवें सबसे बड़े स्टील उत्पादक के रूप में अपनी स्थिति बहाल रखी है

वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन द्वारा जारी नवीनतम आँकड़े दर्शाते हैं कि ईरान का इस्पात का उत्पादन घटा है, फि रभी देश का वैश्विक स्थान अपरिवर्तित बना हुआ है। ईरानियन स्टील मिलों ने कुल 22.4 मिटकच्चे इस्पात का उत्पादन 2021 के प्रथम दस महीनों में किया है, जो वर्ष 2020 की उसी अवधि की तुलना में 5.7% की गिरावट दर्शाता है। वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का अक्टूबर का उत्पादन 2.2 मिट को छू लिया है, जो साल-दर-साल 15.3% की गिरावट है । उत्पादन में गिरावट के बावजूद ईरान ने विश्व का 10वाँ सबसे बड़ा कच्चे इस्पात के उत्पादक का स्थान बरकरार रखा है ।

चायनीज स्टील निर्माता ने ईएएफ मिल चालू की

चायनीज स्टील उत्पादक हेनान याक्सिन स्टील समूह कं. लिमिटेड (हेनान याक्सिन) ने चीन के फुजियान प्रांत में अपने फुजियान डिंगशेंग प्लाण्ट में फ्लैट उत्पादों के लिए अपने इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेश मिनीमिल को चालू कर दिया है। मिल में शामिल है दो ईएएफ क्वांटम इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेश, जिसे यूनाइटेड किंगडम अवस्थित प्रीमेटल्स टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रदान किया गया हे । स्क्रैप-फेड प्रोसेस एकीकृत उत्पादन की तुलना में 85 प्रतिशत सीओ2 बचत की अनुमति देता है, प्रीमेटल्स के अनुसार । फुजियान के मेल्ट शॉप में, प्रत्येक ईएफएफ यूनिट के पास अधिकतम 115 मेट्रिक ट न का टैपिंग वजन है, तकनोलॉजी प्रदाता ने बताया । साथ वाली अरवेदी एण्डलेस स्ट्रिप उत्पादन (ईएसपी) लाईन की आपूर्ति भी प्रीमेटल द्वारा की गई है, जिसकी डिजाइन क्षमता 2.5 मिलियन मेट्रिक टन प्रति वर्ष है। निजी तौर पर आधारित हेनन याक्सिन चीन के शहरों ओर पाँच प्रांतों में एकीकृत और कम्पैक्ट स्टीलनिर्माण प्लांटों का संचालन करती है और प्रति वर्ष 10 मिलियन मेट्रिक टन से अधिक का उत्पादन कर सकती है, प्रीमेटल ने बताया । इस्पातनिर्माता की सबसे नयी ईएएफ मिल में शामिल है - एक अभिनव स्क्रैप फीडिंग प्रोसेस तथा अन्य फीचर, प्रीमेटल के अनुसार, जिसकी डिजाइन टैप-टू-टैप टाइम्स में महत्वपूर्ण गिरावट हासिल करने के लिए बनाई गई है। प्रीमेटल ने मिल की इलेक्ट्रिकल एनर्जी जरूरतों को 'पारंपरिक ईएफ की अपेक्षा काफी कम' के रूप में वर्णित की है ।

मेक्सिको 2022 में स्टील आयातों पर अस्थायी टैरिफ बहाल करेगा

मेक्सिको ने घोषित किया है कि अगले वर्ष में कुछ प्रकार के स्टील पर 15% आयात टैरिफ को अस्थायी तौर पर लागू होगा, जिसका लक्ष्य है कोरोना वायरस महामारी द्वारा लाई गई उद्योग में मंदी को बढ़ावा देना। टैरिफ जून 2022 में शुरू होगा और धीरे-धीरे 2024 के आखीर में समाप्त हो जायेगा, ऐसा सरकार ने सरकारी गजट में प्रकाशित प्रेसीडेंसियल डिग्री में कहा है। यह कदम 100 से अधिक स्टील उत्पादों पर लागू होगा। स्थानीय स्टील उद्योग को ऐडजस्टमेण्ट के लिए समय चाहिए, जो अनुचित व्यापार प्रैक्टिस के विरुद्ध आवश्यक कानूनी इंस्ट्रूमेण्ट को सहारा लेने के लिए अनुमति देगा, डिग्री में बताया गया है। मेक्सिको ने पूर्व में 2018 में टैरिफ को लगाया था, स्टील के आयात पर पूर्ववर्ती यूएस प्रेसीडेण्ट डोनॉल्ड ट्रंप के 25% सेक्शन 232 राष्ट्रीय सुरक्षा टैरिफ के बाद । उक्त कदम, जिसने कनाडा और मेक्सिको दोनों को प्रभावित किया है और उत्तरी अमेरिका मुक्त व्यापार करार के आधुनिकीकरण पर चर्चा को धमकी दिया है- जिसे संशोधित किया गया है और यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा करार का नाम दिया गया है - यूनाइटेड स्टेट्स द्वारा अपने व्यापार भागीदारों के ऊपर से करों को उठा लेने के बाद निलंबित कर दिया गया था। मेक्सिको स्टील इंडस्ट्री एसोसिएशन से एक प्रवक्ता, CANACERO, ने कहा कि डिग्री अनुचित आयातों को सीमित करेगा और सिर्फ उन देशों पर लागू होगा, जो मेक्सिको के साथ बिना व्यापार करार के हैं ।

मेक्सिको ने घोषित किया है कि अगले वर्ष में कुछ प्रकार के स्टील पर 15% आयात टैरिफ को अस्थायी तौर पर लागू होगा, जिसका लक्ष्य है कोरोना वायरस महामारी द्वारा लाई गई उद्योग में मंदी को बढ़ावा देना।

वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन : अक्टूबर 2021 में कच्चे तेल का उत्पादन 10.6% गिरा

वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन (वर्ल्डस्टील) को रिपोर्ट करने वाले 64 देशों के लिए दुनिया का कच्चे इस्पात का उत्पादन अक्टूबर 2021 में था 145.7 मिट, अक्टूबर 2020 के साथ तुलना करने पर 10.6% की गिरावट। अफ्रीका ने अक्टूबर 2021 में 1.4 मिट उत्पादन किया था, अक्टूबर 2020 से 24.1% ऊपर । एशिया और ओसीनिया ने 100.7 मिट उत्पादन किया, 146.6% नीचे । सीआईएस ने 8.3 मिट उत्पादन किया था 0.2% नीचे। ईयू (27) ने 13.4 मिट का उत्पादन किया, 6.4% अधिक। यूरोप, अन्यों ने 4.4 मिट का उत्पादन किया, 7.7% अधिक। पश्चिमी एशिया ने 3.2 मिट

का उत्पादन किया, 12.7% नीचे । उत्तरी अमेरिका ने 10.2 मिट उत्पादन किया, 16.9% ऊपर। दक्षिण अमेरिका ने 4.0 मिट का उत्पादन किया 12.1% ऊपर ।

कैनेडियन इस्पात निर्माताओं ने 'ग्रीन स्टील' अपनाया,क्योंकि कार्बन टेक्स बढ़ना तय

इस्पात उद्योग चौराहे पर खड़ा है, क्योंकि सरकारी नीतियाँ जैसे कि कार्बन प्राइसिंग जिसकी डिजाइन जलवायु परिवर्तन को समाप्त करने के लिए बनाई गई हैं, निर्माता के बॉटम लाईन तथा अंतर्राष्ट्रीय शपथ को हिट कर रही है, कंपनियों से आगे और रियायत माँगने की संभावना है- जो फोसिल ईंधन जलाती हैं । अलगोमा स्टील के चीफ एक्जीक्युटिव आशा कर रहे हैं कि कंपनी 'ग्रीन स्टील' बनाने के लिए सेक्टर-वाइड डाउनटर्न के प्रकारों से इसे इंसुलेट करने में मदद करेगी, जिसे पहले दिवालियापनों में धकेल दिया गया था । चीफ एक्जीक्युटिव, माइकेल मैकक्वाड, जिन्होंने कंपनी का कार्बन उत्सर्जन लगभग 70 प्रतिशत तक कम करने की योजना बनाई है, उन्होंने कहा कि वे कभी भी नहीं कहेंगे और स्वीकार किया है कि निश्चित रूप से कम से कम करने के लिए वे अपनी शक्ति से सब कुछ करेंगे, यदि वह जोखिम समाप्त नहीं होता है। कनाड़ा का इस्पात उद्योग वर्तमान में मजबूत होने की स्थिति में है, क्योंकि अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी से रिकवर की है- जिसने माँग को कम कर दिया था और ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाये गये सजा स्वरूप टैरिफ की अवधि से 2019 में उबरा है । $15 बिलियन वाला उद्योग लगभग 13 मिट प्राथमिक स्टील, स्टील पाइप और ट्यूब उत्पादों का उत्पादन पाँच प्रांतों में 30 से अधिक फेसिलिटियों में करता है । लाभ बढ़ रहा है, क्योंकि प्राथमिक तौर पर कनाड़ा में बिक्री के लिए पूर्व निर्धारित है और यूएस ऑयल ड्रीलिंग तथा संरचना व्यय में एक अपटिक से ठोस माँग के बीच संग्रह किया है । वह हमेशा ऐसा मामला नहीं है, क्योंकि प्रतिद्वंद्वी ने पहले बाजार को जलप्लावित कर दिया है, जब परिवहन लागत कम था, माल को मेटल-निम्न की पण्य कीमत पर भेज रहा है ।

ईयू ने भारत, इण्डोनेशिया से स्टेनलेस स्टील पर टैरिफ लगाया

यूरोपियन कमीशन, जिसने जाँच की थी, ने इण्डोनेशिया के आईआरएनसी के लिए 10.2 प्रतिशत और अन्य इण्डोनेशियन उत्पादकों के लिए 20.2 प्रतिशत ड्यूटी निर्धारित की है, ईयू के सरकारी जरनल ने हाल ही में कहा। यूरोपियन यूनियन ने भारत और इण्डोनेशिया से कोल्ड रोल्ड फ्लैट स्टेनलेस स्टील उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगा दिया है, एक जाँच में यह पाये जाने के बाद कि वे कृत्रिम रूप से कम कीमतों पर बेच रहे हैं। यूरोपियन कमीशन, जिसने जाँच आयोजित की, इण्डोनेशिया आईआरएनसी के लिए 10.2% और अन्य इण्डोनेशियन उत्पादक के लिए 20.2 प्रतिशत, ईयू के सरकारी जरनल ने भी कहा। भारत के लिए दरें हैं 13.9 प्रतिशत जिंदल स्टेनलेस स्टील लिमिटेड तथा जिंदल स्टेनलेस हिसार लिमिटेड और 35.3% अन्य भारतीय उत्पादकों के लिए । कमीशन ने बताया कि एण्टी डंपिंग ड्यूटी , जो शीघ्र ही प्रभावी होगा, का लक्ष्य है ईयू उत्पादकों जैसे एसरिनॉक्स तथा आटोकुंपू को होने वाले नुकसान का समाधान का लक्ष्य है ।

चीन का स्टील उत्पादन नवम्बर के शुरू में वर्ष में 20% गिरा : सीआईएसए

चीन का दैनिक कच्चे इस्पात का उत्पादन नवम्बर के शुरू में साल-दर-साल 20% नीचे हैं, जो अक्टूबर के औसत के थोड़ा ऊपर है, चायना आयरन एण्ड स्टील एसोसिएशन के अनुसार । उद्योग के स्रोतों को उम्मीद है कि चीन का स्टील का उत्पादन नवम्बर-दिसम्बर में नीचे रहेगा, परन्तु कहा

कि 2022 के शुरू में मजबूत हो सकता है, इस्पातनिर्माओं द्वारा अनिवार्य उत्पादन कटौती पूरा कर लेने के बाद दिसम्बर के आखीर तक । सीआईएसए का अनुमान है कि चीन का दैनिक कच्चे इस्पात का उत्पादन 1-10 नवम्बर में औसतन 2.343 मिलियन मेट/दिन रहा, जो अक्टूबर से 1.5% ऊपर है, परन्तु मार्च 2018 से दूसरे सबसे निचले स्तर पर । कमजोर स्टील की माँग के बावजूद, चीन की अनिवार्य जरूरत 2021 के स्टील उत्पादन को 2020 के स्तर के भीतर रखना कम इस्पात उत्पादन के पीछे का प्रमुख कारण है ।

उत्तरी चीन में स्टील मिलें, खासकर हेबेई प्रांत में, जनवरी-मार्च 2022 में शीतकालीन स्टील उत्पादन कटौती को जारी रखेंगी, परन्तु चीन के अन्य भाग को उत्पादन को बढ़ाने की अनुमति दी जा सकती है, कम से कम एक वर्ष के स्तर तक । हेबेई ने अपने कच्चे इस्पात के उत्पादन को 1 जनवरी से 15 मार्च 2022 तक वर्ष 2021 की उसी अवधि में रखे गये स्तर का 70% रखने का संकल्प लिया है। उन तीन महीनों में उस स्तर पर उत्पादन, यदि साकार हुआ, वर्तमान स्तर से ऊपर होगा । स्रोतों के अनुसार, चीन के दो प्रमुख इस्पातनिर्माता हबों - हेबेई के टंगशान और हैंडन शहरों में औसत ब्लास्ट फर्नेश उपीयोग की दर क्रमशः 65% और 70% से कम थे- नवम्बर के मध्य में । कुछ स्रोतों ने कहा कि दोनों व्यापारियों एवं अंतिम इस्तेमालकर्ता रीस्टॉकिंग में दिलचस्पी नहीं रखते थे, क्योंकि स्टील मार्केट का रुख 2022 की प्रथम तिमाही में ओवरसप्लाई के बीच निम्न मुखी हो सकता है। यद्यपि दैनिक कच्चे इस्पात का उत्पादन नवम्बर के शुरू में प्रायः 20 प्रतिशत नीचे था, स्टील मिलों में तैयार इस्पात इनवेण्ट्री तथा स्पॉट मार्केट में संयुक्त रूप से, जिसकी मॉनीटरिंग सीआईएसए द्वारा 10 नवम्बर को की गई, वर्ष में अभी भी 0.1% अधिक है 22.91 मिट पर- जो स्टील माँग में गिरावट दर्शाता है ।

भावी गतिविधियाँ - नवम्बर 2021

फेरस मेटलर्जी पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन, दिनांक : 18 नवम्बर 2021, स्थान : मैप लंदन, यूनाइटेड किंगडम, आयोजक : वर्ल्ड एकाडेमी ऑफ साइंस, सम्पर्क : https://waset.org/

एशिया स्टील 2021, दिनांक : 05 दिसम्बर 2021, स्थान : दक्षिण कोरिया, आयोजक : दि कोरियन इंस्टीच्यूट ऑफ मेटल्स एण्ड मटेरियल्स, सम्पर्कः Secretary@asiasteel2021.org.

एनएएससीसी : दि स्टील कंफरेंश 2022, दिनांकः 23 मार्च 2022, स्थान : मैप कोलोराडो कंवेंशन सेण्टर, डेनरवर, कोलोराडो, यूएसए, आयोजकः अमेरिकन इंस्टीच्यूट ऑफ स्टील कंस्ट्रक्शन, सम्पर्क : nascc@aisc.org

5वाँ अंतर्राष्ट्रीय उच्च मैगनीज स्टील सम्मेलन 2022, दिनांक : 23 मई 2022, स्थान : मैप वोएस्टलपाईन स्टाल्वेल्ट लिंज, आस्ट्रिया, आयोजक : ऑस्ट्रियन सोसाइटी फॉर मेटलर्जी एण्ड मिनरल्स, सम्पर्क : asmet@asmet.at

भारतीय आयरन एण्ड स्टील उद्योग का कार्यनिष्पादन : एक सांख्यिकीय सारांश अप्रैल- अक्टूबर 2021(प्रस्ता) के दौरान

समग्र उत्पादन :

- कच्चे इस्पात का उत्पादन था 66.805 मिलियन टन, 24.8% ऊपर ।
- हॉट मेटल का उत्पादन था 44.808 मिट, 22.8% ऊपर ।
- पिग आयरन का उत्पादन था 3.444 मिट 34.3% ऊपर !
- स्पंज आयरन का उत्पादन था 22.361 मिट, 23.8% ऊपर कोयला आधारित मार्ग द्वारा प्रमुखता (77% शेयर)!

कुल तैयार स्टील

- 62.877 मिट पर, कुल तैयार इस्पात का उत्पादन अप्रैल -अक्टूबर 2021 में 29.9% अधिक है। नॉन'एलॉय स्टील क्षेत्र का योगदान 58.897 मिट पर (94% शेयर 28.5% अधिक) रहा, जबकि शेष का योगदान एलॉय स्टील क्षेत्र का था (स्टेनलेस स्टील सहित) ।
- कुल तैयार इस्पात का समग्र निर्यात था (78.809 मिट, 24.1% अधिक) ।
- कुल तैयार इस्पात का समग्र आयात था (2.751 मिट, 17.2% अधिक) ।
- अप्रैल-अक्टूबर 2021 के दौरान भारत कुल तैयार इस्पात का शुद्ध निर्यातक था ।
- 57.899 मिट पर कुल तैयार इस्पात की खपत में अप्रैल-अक्टूबर 2021 के दौरान 26.1% अधिक थी नॉन-एलॉय स्टील क्षेत्र का योगदान था 53.525 मिट (92% शेयर 24.1% की अधिक), जबकि शेष योगदान एलॉय स्टील क्षेत्र का था (स्टेनलेस स्टील सहित) ।

द्रष्टव्य : समस्त वृद्धि के आँकड़े पिछले वर्ष की उसी अवधि की तुलना में किये गये हैं।
सभी ऑकड़े अस्थायी हैं ।
स्रोत : जेपीसी बुलेटिन आयरन एण्डं स्टील